शुक्रवार
26 मई, 2023
डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स
आपकी आवाज

डुमरांव में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, आपत्तिजनक अवस्था में मिले तीन जोड़े 3

प्रमुख खबरें : पटना ■ भोजपुर ■ बक्सर ■ रोहतास ■ पूर्वांचल ■ मिथिलांचल ■ विविध ■ खेल ■ आर्थिक

हार पर मंथन: चुनाव के दौरान कांग्रेस के किए गए वादे भाजपा पर पड़ रहे भारी

- कांग्रेस की रणनीति ने भाजपा के आगामी लोकसभा चुनाव के लिए भी खतरे की घंटी बजा दी
- भाजपा की शीर्ष कमेटी ने माना कि पार्टी अपनी रणनीति में बदलाव नहीं करती है तो आगामी चुनाव में होगा बड़ा नुकसान

एजेंसी/नई दिल्ली

भाजपा की एक शीर्ष कमेटी ने स्वीकार किया है कि कांग्रेस के चुनावी दांव अब उस पर भारी पड़ रहे हैं। पुरानी पेंशन योजना, मुफ्त बिजली, बेरोजगारों के लिए बेरोजगारी भत्ता, गैस सिलेंडर के मूल्य कम करने और महिलाओं के लिए विशेष भत्ता देने के कांग्रेस के वादों ने भाजपा से न केवल हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक जैसे राज्यों को छीना है, बल्कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए भी खतरे की घंटी बजा दी है। कमेटी ने माना है कि यदि पार्टी ने अपनी रणनीति में बदलाव नहीं किया तो उसे आगामी विधानसभा चुनावों और लोकसभा चुनावों में बड़े नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

पार्टी महासचिव बीएल संतोष और कर्नाटक प्रभारी अरुण सिंह के साथ हुई बैठक में भाजपा के शीर्ष नेताओं ने स्वीकार किया है कि कर्नाटक के उसके हाथ से फिसलने का एक बड़ा कारण कांग्रेस के द्वारा की गई घोषणाएं थीं। पार्टी उसकी कोई काट पेश नहीं कर सकी। इसके साथ ही नेताओं ने माना कि पार्टी नेतृत्व और कार्यकर्ताओं में आपसी तालमेल की कमी पार्टी पर भारी पड़ी है। भाजपा नेताओं ने यह बात ऐसे समय में स्वीकार की है जब उसके साथ-साथ सभी दल लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गए हैं। भाजपा भी केंद्र में सत्ता के नौ साल पूरे होने का पूरे देश में उत्सव मनाने की तैयारी कर चुकी है।

भाजपा को लानी होंगी लोकप्रिय योजनाएं

भाजपा के राष्ट्रीय स्तर के एक नेता की मानें तो इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि कांग्रेस की लोकप्रिय योजनाओं ने जनता के एक हिस्से को प्रभावित किया है। इसे देखते हुए पार्टी को अपनी रणनीति में बदलाव करना पड़ सकता है। नेता के मुताबिक, अगले चुनावों को देखते हुए पार्टी नई रणनीति के साथ मैदान में उतर सकती है। हालांकि उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने भी महिलाओं-युवाओं और अन्य वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से इन वर्गों के लिए बहुत काम किया है और यही कारण है कि इन वर्गों का साथ पीएम को मिलता रहा है। एक राजनीतिक विश्लेषक ने कहा कि देश की आर्थिक तौर पर गरीब जनता को आर्थिक सहायता देने को वे फ्री-बी नहीं मानते। अपने कमजोर नागरिकों की सहायता करना हर सरकार का कर्तव्य है और इसे सकारात्मक दृष्टि से देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो भी राजनीतिक दल इसका वादा जनता से करते हैं, उन्हें इसका कुछ लाभ अवश्य मिलता है।

युवा-महिला मतदाता महत्त्वपूर्ण: युवा और महिला मतदाता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सफलता के सबसे बड़े कारण रहे हैं। उनका दावा रहा है कि उन्होंने इन दोनों वर्गों के लिए बहुत काम किया है। लेकिन केंद्र सरकार ने बेरोजगार युवाओं को भत्ता देने संबंधी कोई योजना राष्ट्रीय स्तर पर अब तक पेश नहीं की है। ऐसे में यदि कांग्रेस बेरोजगार युवाओं के लिए बेरोजगारी भत्ता जैसा कार्ड खेलती है, तो इसका उसे बड़ा लाभ मिल सकता है। इसी तरह महिलाओं को उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और राशन योजना का सीधा लाभ देकर प्रधानमंत्री मोदी ने इन्हें अपने साथ लाने में सफलता पाई है। लेकिन केंद्र सरकार ने अब तक हर परिवार की महिला को भत्ता देने जैसी कोई योजना नहीं पेश की है। ऐसे में यदि कांग्रेस घर की महिलाओं के लिए आर्थिक मदद देने की कोई योजना पेश करती है, तो इसका व्यापक असर हो सकता है और यह दांव 2024 के चुनाव परिणाम को प्रभावित करने वाला हो सकता है।

राहत... यूपी में लगातार चौथे साल नहीं बढ़ीं बिजली की दरें

एजेंसी/लखनऊ

उत्तर प्रदेश में लगातार चौथे साल बिजली की दरें नहीं बढ़ाई गई हैं। विद्युत नियामक आयोग ने बृहस्पतिवार को प्रदेश की बिजली कंपनियों की तरफ से दाखिल 18 से 23 फीसदी बढोत्तरी के प्रस्ताव को खारिज करते हुए एक बार फिर प्रदेश की बिजली दरों में कोई भी बदलाव न करते हुए दरें यथावत रखी हैं।

नोएडा पावर कंपनी क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ताओं की बिजली दरों में 10 फीसदी की कमी की गई है। बिजली दरों में कमी को रोकने के लिए अपर मुख्य सचिव ऊर्जा द्वारा वितरण हानियों को आरडीएसएस स्कीम के तहत मानने वाला प्रस्ताव खारिज कर दिया है। इस वर्ष भी प्रदेश के उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर 7988 करोड़ रुपये सरप्लस निकला है। बिजली कर्मचारियों यानी कि विभागीय कार्मिकों का जो एलएमवी- 10 था उसे टैरिफ शेड्यूल से बाहर कर दिया गया है और अब सभी बिजली कार्मिक घरेलू विद्युत उपभोक्ता की श्रेणी में आएंगे। सभी बिजली कार्मिकों के घरों पर अनिवार्य रूप से मीटर लगाने का आदेश दिया गया है। आयोग ने ट्रांसमिशन टैरिफ 26 पैसे प्रति यूनिट तय किया है।

उपभोक्ता परिषद का बड़ा एलान: उपभोक्ता परिषद ने ऐलान किया है कि जब तक बिजली कंपनियों पर उपभोक्ताओं का बकाया बना रहेगा तब तक बिजली दर नहीं बढ़ने दिया जाएगा। अब कुल सरप्लस बढ़कर 33,121 करोड़ रुपये हो गया है। अगले 10 वर्षों तक दरों में बढ़ोतरी नहीं हो सकती है।

नियामक आयोग ने किए कई प्रावधान: विद्युत नियामक आयोग द्वारा वर्ष 2023- 24 के लिए बिजली कंपनियों की तरफ से दाखिल 92,564. 89 करोड़ की वार्षिक राजस्व आवश्यकता को न मानते हुए केवल 86,579.51 करोड़ वार्षिक राजस्व की आवश्यकता अनुमोदित की गई। साथ ही विद्युत नियामक आयोग द्वारा बिजली कंपनियों द्वारा जो 140.96 मिलियन यूनिट की खरीद दिखाई गई थी उसके सापेक्ष 133.45 बिलयन यूनिट की खरीद अनुमोदित की गई। बजली कंपनियों द्वारा जो वितरण हानियां 14.90 प्रतिशत मानी गई थी। विद्युत नियामक आयोग द्वारा केवल 10.30 प्रतिशत ही मान्यता दी गई। आयोग ने बिजली चोरी का खामियाजा प्रदेश के उपभोक्ताओं पर ना पडे.इसलिए हानियों का आकलन बिजनेस प्लान के तहत किया।

खबरें फटाफट

पटना के पेट्रोल पंप पर 2000 रुपए नोट देने पर 2000 का भरवाना होगा तेल

पटना। दो हजार रुपए के नोट को लेकर आरबीआई के सर्कुलर के बाद लोग नोट को एक्सचेंज करना में जुट गए हैं। बैंकों में नोट एक्सचेंज करने के साथ-साथ अब लोग पटना के विभिन्न पेट्रोल पंपों पर भी पेट्रोल-डीजल लेने के बदले 2000 रुपए के नोट दे रहे हैं। इसके कारण पेट्रोल पंप के कर्मचारियों को चेंज देने में काफी परेशानी हो रही है। इसे लेकर पटना के बुद्ध मार्ग स्थित पेट्रोल पंप ने एक नोटिस जारी किया है। इस नोटिस में लिखा है, 'समस्त सम्मानीय ग्राहकों को सूचित किया जाता है कि भारत सरकार / आरबीआई के निदेर्शानुसार दिनांक 30/9/2023 तक रु 2000/- के करेंसी नोट केवल रु 2000/- अथवा अधिक की खरीद पर ही स्वीकार्य है। करेंसी को बदले जाने का प्रावधान बैंकों तक ही सीमित है। पेट्रोल पंप पर 50/100 रु की खरीद पर भुगतान दो हजार के करेंसी नोट से नहीं किया जा सकेगा। कृपया सहयोग करें।' इस नोटिस में साफ-साफ लिखा गया है कि अब 2000 रुपए का नोट 2000 रुपए की फ्यूलिंग पर ही लिया जाएगा। 2000 नोट का चेंज नहीं मिलेगा।' यानी कि अब लोग 100-200 रुपए का तेल भरवा कर 2000 नोट का भुगतान नहीं कर सकते हैं। 2000 रुपए नोट देने के लिए उन्हें कम से कम 2000 रुपए का तेल भी भरवाना होगा।

विवाद: हिंसाग्रस्त मणिपुर को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री सख्ती के मूड में

अमित शाह ने चेताया... मणिपुर में हिंसा करने वालों को नहीं छोड़ेंगे

- केंद्रीय गृहमंत्री ने की अपील- पहले दोनों ग्रुप शांति बनाने का निर्णय करें
- कहा, हमारा काम शांति बनाए रखना है, आप व्यवस्था पर विश्वास कीजिए
- असम में नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी के उद्घाटन और असम सेवा एप की लॉन्चिंग के मौके पर बोले अमित शाह

एजेंसी/गुवाहाटी

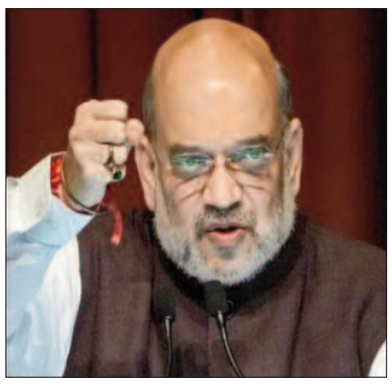

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को हिंसाग्रस्त मणिपुर को लेकर बड़ा बयान दिया है। गृहमंत्री ने पहली बार कहा, मैं केंद्र सरकार की ओर से प्रदेश के सभी लोगों को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि सबके साथ न्याय होगा। हिंसा करने वालों को हम बख्शेंगे नहीं। उन्होंने कहा, पहले दोनों ग्रुप शांति बनाने का निर्णय करें। वे यहां कलाक्षेत्र में आयोजित नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी के उद्घाटन और असम पुलिस के असम सेवा एप लॉन्च के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। असम में हिमंत बिस्वा सरमा सरकार के दो वर्ष पूरे होने पर आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पिछले दो वर्ष का रिपोर्ट कार्ड भी पेश किया। इससे पहले असम पहुंचने पर मुख्यमंत्री और असम कैबिनेट के मंत्रियों ने गृहमंत्री अमित शाह का एयरपोर्ट में स्वागत किया।

गृहमंत्री ने कहा, मणिपुर में एक जजमेंट को लेकर कुछ क्लेसिस हुए। उन्होंने मणिपुर के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए कहा, हमारा काम शांति बनाए रखना है। आप व्यवस्था पर विश्वास कीजिए। दोनों ग्रुपों के लोग पहले शांति बनाने का निर्णय करें। उन्होंने केंद्र सरकार की ओर से विश्वास दिलाया कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होगा। सबके साथ न्याय होगा। उन्होंने कहा, हिंसा करने वालों को हम बख्शेंगे नहीं। इसका विश्वास आप नरेंद्र मोदी सरकार पर कीजिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि सभी मिलकर एक बार पहले जैसे मणिपुर लिए काम करें। पिछले छह वर्षों से राज्य में शांति है। कहीं किसी तरह की घटना नहीं हुई। एक भी बंद नहीं हुआ, एक भी ब्लास्ट नहीं हुआ। और आज अदालत के निर्णय के कारण जो विवाद हुआ है, उसका हल बातचीत और शांति से इसका रास्ता निकालें। किसी के साथ अन्याय नहीं हो। यह नरेंद्र मोदी सरकार की नीति है। उन्होंने बताया कि वे खुद कुछ दिनों के बाद मणिपुर जाने वाले हैं और तीन दिन तक वहां रहेंगे। इस दौरान वे मणिपुर में शांति के लिए लोगों से बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा, प्रदेश में शांति तो वहां की जनता ही ला सकती है।

उन्होंने सभी से निवेदन किया कि अविश्वास की खाई को पाट करके शांति की प्रक्रिया में आगे बढ़ें। भारत सरकार और मणिपुर सरकार से वार्ता कीजिए। शांति का रास्ता खोजना पड़ता है, होता जरूर है। उन्होंने कहा, और मुझे विश्वास है, चर्चा से ही शांति की स्थापना हो सकती है।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, युवक की मौत से बढ़ा तनाव

इंफाल। मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। कर्फ्यूग्रस्त मणिपुर के बिष्णुपुर और इंफाल पश्चिम जिलों में अधिक हिंसा देखी गई। इन अलग-अलग घटनाओं में एक शख्स की मौत भी हो गई है। जबकि एक राज्य मंत्री के घर को निशाना बनाया गया। यहां प्रदर्शनकारियों ने खूब तोड़फोड़ की है। बता दें, राज्य में 3 मई को शुरू हुई हिंसक झड़पों में अभी तक करीब 70 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। वहीं, लगभग 200 लोग घायल हुए और करीब 40,000 विस्थापित हुए।

घर में घुसकर तोड़फोड़: रिपोर्ट के अनुसार, बिष्णुपुर जिले के थम्नापोकपी तलहटी में संदिग्ध आतंकवादियों द्वारा की गई गोलीबारी में दो लोग घायल हो गए थे। बताया जा रहा कि घायलों को इंफाल के अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया जा रहा था, तभी एक शख्स ने दम तोड़ दिया। वहीं, बुधवार शाम निंगथौखोंग शहर में प्रदर्शनकारियों ने राज्य के मंत्री गोविंददास कोन्थौजम के आवास पर धावा बोल दिया। मंत्री के घर में घुसकर तोड़फोड़ की। हालांकि, मंत्री गोविंददास कोन्थौजम को इंफाल जाना था, इसके चलते वह घर पर नहीं थे। बता दें, प्रदर्शनकारियों के हमले में परिवार का कोई भी सदस्य घायल नहीं हुआ है। बिष्णुपुर से भाजपा के विधायक कोन्थौजमलोक के पास लोक निर्माण विभाग और युवा मामले व खेल मंत्रालय है। अधिकारियों के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों का कहना था कि वह इसलिए नाराज हैं क्योंकि राज्य सरकार दूसरे समुदाय के आर्तकियों से स्थानीय लोगों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रही है।

नए संसद भवन के उद्घाटन का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

नई दिल्ली। नए संसद भवन के उद्घाटन का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल हुए एक जनहित याचिका में मांग की गई है कि संसद के नए भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति द्वारा किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि कई विपक्षी दल पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा संसद भवन के उद्घाटन का विरोध करते हुए कार्यक्रम के बहिष्कार की बात कह चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट के वकील सीआर जया सुकिन ने यह जनहित याचिका दाखिल की है। इसमें कहा गया है कि उद्घाटन समारोह में राष्ट्रपति को शामिल नहीं करके भारत सरकार ने भारतीय संविधान का उल्लंघन किया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने झारखंड उच्च न्यायालय के नए भवन का किया उद्घाटन

कई बार कोर्ट के फैसलों के बाद भी लोगों को न्याय नहीं मिलता: राष्ट्रपति

एजेंसी/रांची

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ के हिंदी बोलने की तारीफ की। दरअसल, झारखंड उच्च न्यायालय के नए भवन के उद्घाटन के दौरान सीजेआई ने हिंदी में भाषण दिया था, जिस पर राष्ट्रपति ने खुशी जाहिर की। साथ ही उन्होंने न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने में भाषा के महत्व के बारे में बात की। बता दें, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुधवार को रांची में झारखंड उच्च न्यायालय के नए भवन के उद्घाटन के अवसर पर बोल रही थीं। उन्होंने इस दौरान मुख्य न्यायाधीश को धन्यवाद दिया और न्याय के दरबार में विभिन्न भाषाओं को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कई भाषाओं में काम करने की शुरूआत की है। यह जरूरी भी है। झारखंड के लोग अंग्रेजी के अलावा दूसरी भाषाओं में सहज हैं।

देश का सबसे बड़ा न्यायिक परिसर: राष्ट्रपति ने झारखंड उच्च न्यायालय की जिस बिल्डिंग का उद्घाटन किया, वह पूरे देश में अब तक का सबसे बड़ा न्यायिक परिसर है। 165 एकड़ क्षेत्र में फैले इस परिसर के 72 एकड़ क्षेत्र में उच्च न्यायालय बिल्डिंग सहित वकीलों के लिए आधारभूत संरचना तैयार की गई है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उद्घाटन समारोह में कहा कि कई बार कोर्ट के फैसलों के बाद भी लोगों को न्याय नहीं मिलता। लोग एक-एक केस के लिए वर्षों तक लड़ाई लड़ते हैं। समय, रुपये और रातों की नींद बर्बाद होती है। कुछ मामले उच्च न्यायालय में फाइनल होते हैं। कुछ मामलों में सुप्रीम कोर्ट में आखिरी फैसला होता है। जिनके पक्ष में फैसला आता है, वे खुश होते हैं, लेकिन पांच-दस साल बाद पता चलता है कि उन्हें न्याय मिला ही नहीं। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित होना चाहिए कि लोगों को सच में न्याय मिले। यह कैसे होगा, इसका रास्ता तो नहीं पता मुझे। पर सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस, कानून मंत्री, जज, वकील सब मिलकर इसका रास्ता निकालें।

खबरें फटाफट

जहानाबाद में ठनका गिरने से एक व्यक्ति की मौत

जहानाबाद। जहानाबाद जिले परस बिगहा थाना क्षेत्र के डिहुरी गांव में ठनका गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गयी। मृतक की पहचान डिहुरी गांव निवासी अनिल कुमार के रूप में की गई है। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि गुरुवार को अचानक आयी तेज हवा के साथ बारिश के दौरान गरज के साथ बिजली कड़कड़ा रही थी इसी दौरान मृतक शौच करने गांव के बधार में गया जहां ठनका की चपेट में आने से गंभीर रूप से झुलस गया। ग्रामीणों की जब नजर पड़ी तो उसे आनन फानन में सदर अस्पताल लाया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पूरा अस्पताल परिसर गमगीन हो गया। इधर सदर अस्पताल के चिकित्सक ने बताया कि ठनका गिरने से एक व्यक्ति मरा हुआ ही आया था। जिसे देखने के बाद मृत घोषित कर दिया गया। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

अनियंत्रित स्कार्पियो ने साइकिल सवार को कुचला, मौत

जहानाबाद। जहानाबाद-घोसी सड़क मार्ग पर नगर थाना क्षेत्र के बैरागी बाग गांव के समीप एक अनियंत्रित स्कार्पियो ने साइकिल सवार को कुचल दिया। जिसके कारण साइकिल सवार की मौके पर मौत हो गई। मृतक की पहचान भेलावर ओपी क्षेत्र के शेखपुरा गांव निवासी 54 वर्षीय शमीम अंसारी के रूप में की गई है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि शमीम अंसारी बाजार कर साइकिल से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान बैरागी बाग पिंजरों मोड़ के समीप एक अनियंत्रित रफ्तार में आ रही स्कॉर्पियो गाड़ी ने पीछे से रौंद दिया। जिसके कारण शमीम अंसारी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इधर स्कार्पियो चालक घटना के बाद गाड़ी लेकर फरार होने में सफल रहा। नगर थाने की पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लेकर पहुंची है।

अरवल पुलिस ने शराब कारोबारी को कट्टा के साथ दबोचा

अरवल। शराब तस्करी रोकने के क्रम में चलाए जा रहे अभियान के दौरान अरवल पुलिस ने एक शराब कारोबारी को देसी कट्टा के साथ गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार परासी थानाध्यक्ष दुर्गानन्द मिश्र, एएलटीएफ़ टीम के पदाधिकारी प्रवीण कुमार एवं मंगल शर्मा के द्वारा लक्ष्मण पुर बाथे सोन दियारा क्षेत्र में छोपमारी अभियान चलाया जा रहा था। तभी लक्ष्मणपुर बाथे गांव की उत्तर दिशा में सोन दियारा क्षेत्र स्थित पानी खंता के पास शराब करोबारी दिना चौधरी, पिता- फेकन चौधरी, ग्राम लोदीपुर, पुलिस टीम को पकड़ा। तलाशी के क्रम में 03 लीटर देशी शराब एक लोहे का बना हुआ देशी कट्टा बरामद किया गया।

कालाजार प्रभावित इलाकों में बुखार होने पर जांच कराएं लोग, तुरंत इलाज जरूरी : एसीएमओ

- सदर प्रखंड में मिला कालाजार का एक मरीज, सदर अस्पताल में इलाज शुरू
- भूख में कमी, वजन का घटना, थकान महसूस होना, पेट का बढ़ जाना आदि है कलाकार के लक्षण

केटी न्यूज/आरा

जिले में कालाजार उन्मूलन को लेकर स्वास्थ्य विभाग प्रयासरत है। लेकिन, अभी भी जिले में कालाजार के मामले सामने आ रहे हैं। ताजा मामला नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड नंबर 33 का है। जहां कालाजार का एक नया मरीज मिला है। हालांकि, पूर्व में भी सदर प्रखंड के गांवों में कालाजार के मरीजों मिलते रहे हैं। इसलिए लक्षणों की पहचान कर मरीज का इलाज जल्द से किया गया। कालाजार के मरीज की फिर से पुष्टि होने के बाद विभाग सतर्क हो गाया है। अब सदर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अंतर्गत स्वास्थ्य अधिकारियों का एक दल वार्ड में डोर टू डोर सर्वे करेगा। जिसके अंतर्गत बुखार के लक्षण वाले लोगों को चिह्नित करेगा। जिसके बाद उनकी जांच की जाएगी। साथ ही, प्रभावित वार्ड में सिंथेटिक पैराथायराइड (एसपी) पाउडर का छिड़काव भी कराया जायेगा। ताकि, कालाजार के प्रभाव से दूसरे लोगों को बचाया जा सके। फिलहाल फ्रंटलाइन वर्कर्स के माध्यम से लोगों को कालाजार को लेकर जागरूक किया जा रहा है। उन्हें बताया जा रहा है कि कालाजार में मरीज को बार-बार बुखार आने लगता है। साथ ही, भूख में कमी, वजन का घटना, थकान महसूस होना, पेट का बढ़ जाना आदि इसके लक्षण के रूप में दिखाई देने लगते हैं। ऐसे व्यक्ति को तुरंत नजदीक के अस्पताल में जाकर अपनी जांच करवानी चाहिए। ठीक होने के बाद भी कुछ व्यक्ति के शरीर पर चकता या दाग होने लगता है। ऐसे व्यक्तियों को भी अस्पताल जाकर अपनी जांच करानी चाहिए।

लोगों को सतर्क और सावधान रहने की जरूरत : एसीएमओ डॉ. केएन सिन्हा ने बताया कि कालाजार से प्रभावित इलाके में लोग बुखार को हल्के में न लें। जिन इलाकों में कालाजार के मरीज मिलते हैं वहां एसपी पाउडर का छिड़काव कराया जाता है। ताकि, लोगों को कालाजार की चपेट में आने से बचाया जा सके। उन्होंने बताया, कालाजार के लक्षणों की पहचान होना बहुत जरूरी है। इसका असर शरीर पर धीरे-धीरे पड़ता है। यह परजीवी बालू मक्खी के जरिये फैलता है। इससे ग्रस्त मरीज खासकर गोरे व्यक्तियों के हाथ, पैर, पेट और चेहरे का रंग भूरा हो जाता है। रुक-रुक कर बुखार आना, भूख कम लगना, शरीर में पीलापन और वजन घटना, तिल्ली और लीवर का आकार बढ़ना, त्वचा-सूखी, पतली और होना और बाल झड़ना कालाजार के मुख्य लक्षण हैं। ऐसे में जब किसी में लगातार बुखार के लक्षण दिखाई दें, तो वो तत्काल जाकर उसकी जांच कराएं।

बालू मक्खी कम रोशनी और नमी वाले स्थानों पर रहती है : डॉ. सिन्हा ने बताया, मिट्टी और बिना प्लास्टर के घरों में स्थित दरारों में बालू मक्खी के छिपने की संभावना अधिक रहती है। अमूमन बालू मक्खी कम रोशनी और नमी वाले स्थानों पर रहती है। जैसे घरों की दीवारों की दरारों, चूहों के बिल तथा ऐसे मिट्टी के टीले जहां ज्यादा जैविक तत्व और उच्च भूमिगत जल स्तर हो। ऐसे स्थान उनको पनपने में लिए बेहतर माहौल देते हैं। उन्होंने बताया यह मक्खी उड़ने में कमजोर जीव है, जो केवल जमीन से 6 फुट की ऊंचाई तक ही फुदक सकती है। मादा बालू मक्खी ऐसे स्थानों पर अंडे देती है जो छायादार, नम तथा जैविक पदार्थों से परिपूर्ण हो। जिन घरों में बालू मक्खियाँ पाई जाती हैं उन घरों में कालाजार के संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

मरीज को दी जाती है क्षतिपूर्ति राशि : कालाजार से पीड़ित मरीज को 7100 रुपये श्रम क्षतिपूर्ति राशि दी जाती है। यह राशि नए मरीजों को दी जाती है। साथ ही, प्रशिक्षित आशा के द्वारा मरीजों को चिह्नित करने व नजदीक के पीएचसी तक लाने एवं उनका ठीक होने तक ख्याल रखने पर प्रति मरीज 600 रुपये की प्रोत्साहन राशि भी दी जाती है। यह राशि भारत सरकार एवं राज्य सरकार की तरफ से दी जाती है। इसमें मरीजों के लिए 6600 रुपये और आशा के लिए 100 रुपये की राशि मुख्यमंत्री कालाजार राहत अभियान के अंतर्गत दी जाती है। वहीं प्रति मरीज एवं आशा को 500 रुपये भारत सरकार की तरफ से दिया जाता है। साथ ही, ग्रामीण चिकत्सकों द्वारा मरीजों के रेफर करने और उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आने की स्थिति में उन्हें 500 रुपए दिए जाते हैं।

लापरवाही का आरोप: आरा के दो निजी अस्पतालों में मरीज की मौत के बाद मचा बवाल

विवाद... डॉक्टरों और मरीजों के परिजनों में छिड़ी कानूनी जंग, प्राथमिकी दर्ज

- मरीज के पिता ने दर्ज कराया केस, डाक्टर पर लापरवाही और दुर्व्यवहार का आरोप
- छानबीन में जुटी पुलिस, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

केटी न्यूज/आरा

इलाज के दौरान मरीज की मौत को लेकर परिजनों और धरती के भगवान कहे जाने वाले डॉक्टरों के बीच कानूनी जंग छिड़ गयी है। दोनों पक्षों की ओर एक-दूसरे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी जा रही है। मरीज के परिजनों की ओर से जहां डाक्टरों पर फीस के नाम पर मोटी रकम वसूलने के बाद भी इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया जा रहा है। वहीं डाक्टरों द्वारा मरीज के परिजनों पर बेवजह मारपीट, तोड़फोड़ और दुर्व्यवहार का आरोप लगा रहे हैं। मंगलवार की दो दो मरीजों की मौत के बाद परिजनों द्वारा संबंधित डाक्टरों एवं अस्पताल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करा दी गयी। दूसरी ओर ब्लॉक रोड स्थित निजी आर्थो सेंटर में मरीज की मौत के बाद तोड़फोड़ और स्टाफ के साथ मारपीट की लेकर डाक्टर की ओर से भी प्राथमिकी दर्ज करायी जा रही है। इधर, मौत को लेकर दोनों पक्षों के अपने मत हैं। इस संबंध में डाक्टरों का कहना है कि उनके द्वारा हरसंभव प्रयास किया जाता है। लोगों को समझना चाहिए कि डाक्टर इंसान हैं, भगवान नहीं। वे इलाज और अपनी सेवा से किसी को बचाने का प्रयास कर सकते हैं। डाक्टरों का कहना है कि कुछ मरीजों को काफी क्रिटिकल स्थिति में लाया जाता है। उसके बाद भी डाक्टरों द्वारा हरसंभव उनका इलाज किया जाता है। बहरहाल मामला चाहे जो हो लेकिन हाल के कुछ दिनों में धरती के भगवान कहे जाने वाले इन डाक्टरों से लोगों का भरोसा कम होता जरूर दिख रहा है?। अस्पतालों में आये दिन हंगामा और तोड़फोड़ इसके उदाहरण हैं।

फाइल फोटो।

इलाज के दौरान मरीज की मौत डॉक्टर पर दर्ज हुआ हत्या का केस

आरा। शहर के ब्लॉक रोड स्थित निजी क्लीनिक सह आर्थो सेंटर में मंगलवार की रात इलाज के दौरान मरीज की मौत के मामले में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। गड़हनी थाने के बड़ौरा गांव निवासी मृत मरीज मुकेश कुमार सिंह के पिता राम लायक सिंह के बयान पर दर्ज केस में चर्चित हड्डी रोग विशेषज्ञ डाक्टर कन्हैया सिंह को नामजद किया गया है। उन आइपीसी की धारा 304 (गैर इरादतन हत्या) के तहत केस किया गया है।

प्राथमिकी में डाक्टर पर इलाज में लापरवाही और दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया गया है। रामलायक सिंह की ओर से कहा गया है कि उनका पुत्र मुकेश कुमार सिंह उर्फ धनंजय सिंह 17 मई को छत से गिर गया था। उससे उसका दाहिना हाथ और पैर टूट गया था। 18 मई को उसे इलाज के लिए ब्लॉक रोड स्थित डाक्टर कन्हैया सिंह के क्लीनिक लाया गया था। उस दौरान डॉक्टर की ओर से एक लाख रुपए की मांग की गयी थी। तब उनके द्वारा साढ़े 44 हजार रुपए जमा किया गया और इलाज शुरू हुआ था। मंगलवार 23 मई को डाक्टर की ओर से ऑपरेशन करने की बात कहते 40 हजार रुपए की मांग की गयी। शाम करीब साढ़े छह बजे डाक्टर उनके बेटे को ऑपरेशन थियेटर में ले गये। रात करीब साढ़े नौ बजे डाक्टर द्वारा अचानक उनके बेटे को पटना ले जाने को कहा जाने लगा। एंबुलेंस मंगवा कर उसमें उनके बेटे को रखवा भी दिया गया। उस दौरान मुकेश कुमार सिंह के बेटे के साथ दुर्व्यवहार भी किया गया।

इधर, पुलिस केस दर्ज कर मामले की गहन छानबीन में जुट गयी है। मौत के कारणों की ठोस जानकारी के लिए के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का भी इंतजार किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। मंगलवार की रात नवादा थाने के ब्लॉक रोड स्थित आर्थो सेंटर में इलाज के दौरान बड़ौरा गांव निवासी मुकेश कुमार सिंह की मौत हो गयी थी। उसके बाद जमकर बवाल मचा था। आर्थो सेंटर में तोड़फोड़ की गयी थी और बुधवार की सुबह टायर जलाकर रोड भी जाम किया गया था।

फाइल फोटो।

महिला की मौत मामले में हत्या और धोखाधड़ी की प्राथमिकी दर्ज

आरा। शहर के नवादा थाना क्षेत्र के महावीर टोला स्थित प्राइवेट हॉस्पिटल में मंगलवार रात ऑबर्शन के दौरान महिला की मौत के मामले में प्राथमिकी दर्ज करा दी गयी है। मृत महिला रजनी देवी के पति उपेंद्र चौधरी के बयान पर हत्या और धोखाधड़ी का केस किया गया है।

प्राथमिकी में अस्पताल नगर थाना के सामने वाली गली में रहने वाले राहुल कुमार का बताया गया है। अस्पताल के नीचे उनकी दवा की दुकान भी है। तरारी थाने के सेदहा गांव निवासी उपेंद्र चौधरी की ओर से दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि मंगलवार की सुबह नौ बजे वह अपनी गर्भवती पत्नी रजनी देवी का इलाज कराने आरा के महावीर टोला स्थित भोजपुर हेल्थ केयर प्राइवेट अस्पताल गये थे। उस समय अस्पताल में दो पुरुष और एक महिला स्टाफ मौजूद थे। तीनों स्टाफ द्वारा यह कहते हुए उनकी पत्नी को भर्ती कर लिया गया कि डाक्टर साहब आ रहे हैं, तो इलाज किया जायेगा। उसके बाद उनकी पत्नी का अल्ट्रासाउंड कराने के लिए भोजपुर अल्ट्रासाउंड सेंटर भेज दिया गया। रिपोर्ट आने के बाद बताया गया है बच्चा पेट में मर गया है और जल्द गर्भपात कराना पड़ेगा। उसके एवज में उनसे तीस हजार रुपए भी जमा करा लिया गया। वह डाक्टर के बारे में पूछते रह गये, लेकिन कुछ नहीं बताया गया। रात नौ बजे तक इलाज चलता रहा। उस बीच उनकी पत्नी की मौत हो गयी। उसके बाद अस्पताल के कर्मी इलाज संबंधित सभी कागजात लेकर भाग गए।

बोर्ड पर शिवालय और लेटर पैड पर भोजपुर हेल्थ केयर: प्राथमिकी में महावीर टोला स्थित प्राइवेट हॉस्पिटल का कारनामों का खुलासा हुआ है। उपेंद्र चौधरी की ओर से कहा गया है कि हॉस्पिटल के बाहर बोर्ड पर शिवालय हेल्थ केयर लिखा था। अस्पताल की ओर से दिए गए लेटर पैड पर भोजपुर हेल्थ केयर सेंटर लिखा है। डाक्टर के नाम में भी हेरफेर का आरोप लगाया गया है। कहा गया है कि लेटर पैड दूसरे डाक्टर का नाम है, तो विजिटिंग कार्ड पर दो अन्य पुरुष और महिला डाक्टर का नाम लिखा हुआ है।

एक नजर

प्रधान डाकघर को बनाया गया आधार कार्ड सेंटर, होगा संशोधन, बनेगा नया कार्ड

जहानाबाद। भारत सरकार द्वारा आधार कार्ड बनाने एवं सुधारने के कार्यक्रम के तहत जहानाबाद शहर में प्रधान डाकघर जहानाबाद को आधार कार्ड सेंटर बनाया गया है। जहां आधार कार्ड बनाने एवं सुधारने का कार्य प्रत्येक कार्य दिवस में किया जा रहा है कोई भी इच्छुक व्यक्ति जो अपना नया आधार कार्ड बनवाना या आधार कार्ड में किसी भी प्रकार का संशोधन करवाना चाहते हैं सभी संबंधित दस्तावेजों के साथ प्रधान डाकघर जहानाबाद में उपस्थित होकर तथा सरकार द्वारा निर्धारित शुल्क देकर नया आधार कार्ड बनवा सकते हैं। आधार कार्ड में संशोधन करवा सकते हैं। आधार कार्ड बनाने एवं सुधारने का निर्धारित शुल्क निम्न प्रकार है। 0 से 17 साल तक के बच्चे का नया आधार कार्ड निशुल्क ,5 से 7 साल के बच्चे का बायोमेट्रिक निशुल्क,7 साल से ऊपर के बच्चे का बायोमेट्रिक चार्ज 100, आधार में मोबाइल नंबर जोड़ने का शुल्क ?50 ,नाम पता तथा जन्मतिथि में सुधार का शुल्क 50 रुपया।

जहानाबाद में अवैध अल्ट्रासाउंड सेंटर में छापेमारी,12 लाख 30 हजार कैश बरामद

जहानाबाद। जहानाबाद में भ्रूण लिंग परीक्षण करने वाले अवैध अल्ट्रासाउंड सेंटर में छापेमारी की गयी। जहां से 12 लाख 30 हजार रुपए कैश बरामद किया गया। अल्ट्रासाउंड सेंटर से 500-500 रुपये के नोट भारी मात्रा में जब्त किया गया है। नोटों के बंडल को देखकर छापेमारी करने गयी टीम भी हैरान रह गयी। हालांकि अल्ट्रासाउंड संचालक मौके से फरार हो गया है जिसकी गिरफ्तारी के लिये पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। जिला प्रशासन और पुलिस को यह लगातार सूचना मिल रही थी कि नगर थाना क्षेत्र के टेनी बिगहा मोहल्ले में अवैध रूप से अल्ट्रासाउंड सेंटर पिछले कई महीनों से चल रहा है। मिली सूचना के आधार पर अनुमंडल पदाधिकारी मनोज कुमार के नेतृत्व में छापेमारी की गयी। लेकिन छापेमारी की सूचना मिलते ही अल्ट्रासाउंड संचालक मौके से फरार हो गया। छापेमारी के दौरान 12 लाख 30 हजार कैश बरामद किया गया। वही अल्ट्रासाउंड मशीन भी जब्त किया गया है। अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि जहानाबाद नगर थाना क्षेत्र के टेनी बीघा मोहल्ले में अवैध रूप से अल्ट्रासाउंड चलाया जा रहा था। जहां भ्रूण लिंग परीक्षण किया जा रहा था। जहां अवैध रूप से बच्चों का लिंग बताया जाता था। फिलहाल अल्ट्रासाउंड सेंटर को सील किया गया है। संचालक के खिलाफ नगर थाने में केस दर्ज किया गया है। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

जिले के सभी स्कूली बच्चों की पढ़ाई का सपना पूरा करेगा अरिस्टो फार्मा : भोला बाबू

मखदुमपुर। जिले में पढ़ने वाले सभी स्कूली बच्चों की पढ़ाई का सपना अरिस्टो फार्मा पूरा करेगा कोई भी स्कूली बच्चों को पढ़ने में कोई समस्या या बाधा उत्पन्न हो तो सीधा हमारे प्रतिनिधि से मिलकर बताएं हम सभी बच्चों को तकनीकी ज्ञान देना चाहते हैं। और उन्हें विकसित करना चाहते हैं उक्त बातें अरिस्टो फार्मा के मैनेजिंग डायरेक्टर सह देश के जाने माने उद्योगपति उमेश प्रसाद उर्फ भोला बाबू ने मखदुमपुर हाई स्कूल के समीप आयोजित कार्यक्रम में कहा, गुरुवार को आयोजित आरिस्टो सी आर सी के तहत कार्यक्रम में पहुंचे कंपनी के एमडी भोला बाबू ने कहा हमारी कंपनी व्यवसाय के साथ सामाजिक सरोकार करती है। हमने जहानाबाद जिले के चिन्हित विद्यालयों के बच्चों को तकनीकी शिक्षा के साथ उनकी सारी समस्या को दूर करेंगे, उन्होंने कहां कंपनी के द्वारा विद्यालय में शौचालय पुस्तक पुस्तकालय बैग समेत सारी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी, साथी बच्चों को कंप्यूटर ज्ञान कढ़ाई कटाई समेत कई तकनीकी ज्ञान की ट्रेनिग दिलाएंगे, कार्यक्रम में सैकड़ो स्कूली बच्चों को बैग एवं खेल सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला परिषद अध्यक्ष रानी कुमारी ने किया।

भारतीय जनता पार्टी की सिकरिया में हुई जिला कार्यसमिति की बैठक

जहानाबाद। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय सिकरिया में जिला कार्यसमिति की बैठक की गई। कार्यक्रम में जदयू से बीजेपी में आए मुकेश कुमार सिंह का जोरदार स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री अजय यादव ने कहा कि 30 मई से 30 जून 2023 तक जनसंपर्क अभियान एवं विभिन्न कार्यक्रम जहानाबाद लोकसभा क्षेत्र में चलाया जाएगा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र में भाजपा सरकार अपने 9 वर्ष पूर्ण कर रही है इस अवसर पर 30 मई से 30 जून 2023 तक भाजपा संगठन द्वारा विभिन्न कार्यक्रम सभी जिला मंडल, शक्ति केंद्र, एवं बूथ पर आयोजित किए जाएंगे तथा विशेष जनसंपर्क अभियान लोकसभा क्षेत्रों में चलाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार गरीब शोषित एवं वंचितों के कल्याण हेतु समर्पित है।

टीबी उन्मूलन को लेकर कम्युनिटी हेल्थ पदाधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

डीपीएम ने सीएचओ को अपने क्षेत्र में टीबी जांच बढ़ाने के दिये निर्देश

- टीबी उन्मूलन की दिशा में सीएचओ की भूमिका होगी महत्वपूर्ण

केटी न्यूज/गया

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिला में टीबी रोगियों को चिन्हित करने के काम को गति देने के लिए सीएचओ यानी कम्युनिटी हेल्थ अफसरों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। सीएचओ अपने क्षेत्र में टीबी रोगियों को चिन्हित करने, उनकी जांच व इलाज, दवा की उपलब्धता सुनिश्चित करने, रोगी द्वारा नियमित दवा सेवन करने, टीबी संक्रमण के प्रति लोगों को जागरूक करने, टीबी मुक्त पंचायत बनाने जैसे कामों में अपनी अहम भूमिका निभायेंगे। सीएचओ आशा तथा एएनएम के साथ सामंजस्य बना कर काम करेंगे। कम्युनिटी हेल्थ अफसरों की

जिम्मेदारी होगी कि वे अपने क्षेत्र में टीबी टेस्टिंग को बढ़ाएंगे। यह बातें जिला स्वास्थ्य समिति के डीपीएम नीलेश कुमार ने बोधगया के एक निजी होटल में यूनाइट टू एक्ट प्रोजेक्ट के तहत कम्युनिटी हेल्थ पदाधिकारियों के टीबी को लेकर आयोजित एक उन्मुखी सह प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कही। रीच संस्था द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान संस्था के राज्य समन्वयक रजनीश कुमार दूबे तथा टीबी मुक्ति वाहिनी से शारदा मौजूद रहीं। सीएचओ का यह प्रशिक्षण कार्यक्रम तीन चरणों में होगा. प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले दिन आमस, बकिबाजार, बाराचट्टी, बोधगया, अतरी, बेलागंज तथा डोभी प्रखंडों के सीएचओ मौजूद रहे।

टीबी ट्रीटमेंट सक्सेस रेट में जिला तीसरे स्थान पर: डीपीएम ने बताया कि राज्य में टीबी ट्रीटमेंट सक्सेस रेट की रैंकिंग में जिला तीसरे स्थान पर है। राज्य सरकार द्वारा गया जिला को टीबी ट्रीटमेंट सक्सेस रेट वर्ष 2022 के लिए तीसरा पुरस्कार हाल में पटना में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मिला है। डीपीएम ने बताया कि जिला में टीबी ट्रीटमेंट सक्सेस रेट 88 प्रतिशत है। यानि 88 प्रतिशत टीबी रोगियों को चिन्हित करने के साथ उनका इलाज कर स्वस्थ किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि टीबी की जांच के लिए अपने प्रखंड के एसटीएस से संपर्क करें तथा अपने क्षेत्र में टीबी टेस्ट ड्राइव चलाएं। मरीजों को बताएं कि टीबी शत प्रतिशत ठीक होने वाला रोग है।

सभी सीएचओ के साथ काम करेंगे टीबी चैंपियंस: राज्य समन्वयक रजनीश दूबे ने प्रशिक्षण के दौरान सीएचओ को बताया कि टीबी संक्रमण को रोकने के लिए सामुदायिक स्तर पर लोगों से बातचीत कर उन्हें जागरूक करें। टीबी संक्रमण के कारणों की जानकारी दें तथा लोगों से कहें कि यदि लंबे समय तक किसी भी व्यक्ति को खांसी है, रात में पसीना आता है तो इसकी जानकारी आशा, एएनएम और सीएचओ को दें ताकि उसके बलगम की जांच करायी जा सके और टीबी की पुष्टि होने पर उनका इलाज प्रारंभ किया जा सके। बताया कि टीबी रोग से उबर चुके लोगों को टीबी चैंपियन के रूप में टीबी के दूसरे मरीजों को काउंसलिंग तथा इलाज सुविधा में मदद पहुंचाई जा रही है। सभी सीएचओ के अंदर दो टीबी चैंपियन काम करेंगे।

शिक्षिका हत्याकांड : मां ने अपने बेटे व बहू पर दर्ज कराया केस

डुमरांव। आथर में हुए शिक्षिका कविता देवी हत्याकांड में एफआईआर दर्ज हो गया है। मृतका की मां सोनामती देवी ने वासुदेवा ओपी में आवेदन दे अपने पुत्र सुमेर यादव उर्फ मालिक यादव व उसकी पत्नी प्रियंका देवी पर उसकी गोली मार हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस को दिए आवेदन में पीड़िता ने बताया है कि उसकी बेटी अपने बीमार पिता के लिए गोदान करा रही थी। बुधवार को गोदान की तैयारी हो रही थी। जबकि सुमेर इसका विरोध कर रहा था। इसी बात पर भाई बहन के बीच विवाद बढ़ गया। तब उसकी पत्नी प्रियंका ने घर में रखे देशी कट्टा को निकाल अपने पति को दिया और बोली कि उसे गोली मार दो। इसके बाद सुमेर ने कट्टे से गोली मार फरार हो गया।

उपचुनाव: नियाजीपुर में कड़ी सुरक्षा के बीच मुखिया पद के लिए डाले गये वोट

गांव की सरकार

- चप्पे-चप्पे पर तैनात रही पुलिस, शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न होने से प्रशासन ने ली राहत की सांस

केटी न्यूज/सिमरी

गुरूवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच नियाजीपुर पंचायत में मुखिया पद के उपचुनाव की वोटिंग संपन्न हुई। सभी बूथों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। खुद डीएम अंशुल अग्रवाल नियाजीपुर पहुंच विधि व्यवस्था का जायजा लेते दिखे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न बूथों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। डीएम के पहुंचते ही बूथों पर भगदड़ मच जा रही थी। सायरन बजाती गाड़ियों की आवाज से बूथों के आस पास खड़े लोग दौड़कर भाग रहे थे। हालांकि चुनाव को लेकर मतदाताओं में काफी उत्साह देखा गया। भीषण गर्मी व तल्ख धूप के बीच मतदाताओं ने निर्धारित समय पर मतदान केंद्र पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कई मतदान केन्द्रों पर तो दोपहर तक लंबी लाइन लगी थी। हालांकि दोपहर बाद कुछ देर के लिए बूथों पर भीड़ जरूर कम हो गया था। दोपहर में एसपी मनीष कुमार ने भी नियाजीपुर पहुंच उप चुनाव का जायजा लिया और सुरक्षा व्यवस्था पर संतोष जताया। डीएम एसपी के निरीक्षण से स्थानीय पदाधिकारी पूरे दिन मुश्तैद रहे। मतदान के समय सभी मतदान केन्द्रों पर पुलिस के जवान तैनात रहे। चुनाव के दौरान सभी मतदान केन्द्रों पर मजिस्ट्रेट व सेक्टर मजिस्ट्रेट दिनभर गश्त करते रहे। शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न होने से प्रशासन ने राहत की सांस ली है।

58.3 प्रतिशत हुआ मतदान: जानकारी के अनुसार इस उप चुनाव में कुल 8 प्रत्याशी मैदान में हैं। 58.3 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान किया है। जिसमें 66.6 प्रतिशत पुरूष व 55.8 प्रतिशत महिला मतदाता शामिल रही।

निवर्तमान मुखिया के निधन के बाद खाली हुई थी सीट: बता दें कि पिछले चुनाव में जीत दर्ज करने वाली निवर्तमान मुखिया की बीमारी के कारण मौत हो गई थी। जिसके बाद नियाजीपुर पंचायत में मुखिया का पद रिक्त था। मुखिया के नहीं रहने से उप मुखिया ही मुखिया की जिम्मेवारी का निर्वहन कर रहे थे।

नावानगर के दो पंचायतों में 65 फीसदी मतदान

स्थानीय प्रखंड के दो पंचायत के दो पदों पर उप चुनाव गुरुवार को शांतिपूर्ण संपन्न हो गया। जिसमें बेलांव पंचायत में ग्राम कचहरी के सरपंच तथा रूपसागर पंचायत के वार्ड नंबर छह में वार्ड सदस्य पद शामिल हैं। दोनों पंचायत मिलकर कुल 65 फीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस तरह दोनों पंचायत के सात उम्मीदवारों का भाग्य एवीएम में कैद हो गया। जिसका फैसला दो दिन बाद होगा। बता दें कि बेलांव पंचायत ग्राम कचहरी के सरपंच पद पर दावेदारी कर रहे पांच प्रत्याशियों तथा रूपसागर पंचायत के वार्ड सदस्य पद के लिए मैदान में दो प्रत्याशी ताल ठोक रहे थे। बीडीओ सह प्रखंड निवार्ची पदाधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि शनिवार को मतों की गिनती की जाएगी।

कलावती होटल एंड लाज में चल रहा था गंदा खेल, एसडीओ और एसडीपीओ के नेतृत्व में हुई कार्रवाई

डुमरांव में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, आपत्तिजनक अवस्था में मिले तीन जोड़े, हिरासत में संचालक

- हिरासत में लिये गए तीनों जोड़े व होटल संचालक से पुलिस कर रही पूछताछ
- दोपहर में पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई से होटल में मची अफरा-तफरी

केटी न्यूज/ डुमरांव

अनुमंडल प्रशासन व पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में डुमरांव के कलावती होटल एंड लाज में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस ने होटल के तीन कमरों से तीन जोड़ो को आपत्तिजनक अवस्था में बरामद किया है। इसके अलावे कई ऐसे सामान भी मिले है जिनसे इस होटल में सेक्स रैकेट चलने की पुष्टि हुई। पुलिस ने तीनों जोड़ो के अलावे होटल संचालक को हिरासत में लिया है। जानकारी के अनुसार स्टेशन रोड में थाना से महज 200 मीटर दूर कलावती होटल एंड लॉज है। जिसमें सेक्स रैकेट चलने की सूचना पर गुरूवार को दोपहर डुमरांव एसडीओ कुमार पंकज व एसडीपीओ अफाक अंसारी के नेतृत्व में पुलिस ने छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान तीन कमरों से तीन प्रेमी जोड़े पकड़े गए। छापेमारी के दौरान होटल में अफरा तफरी मच गई थी। कई लोग विभिन्न कमरों से निकल भागने लगे थे। बता दें कि इस होटल में वर्षों से सेक्स रैकेट संचालित होने की बात बताई जा रही है। बावजूद स्थानीय पुलिस मौन साधे हुए थी। एसडीपीओ अफाक अंसारी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की जांच की जा रही है। वही शहर में इस घटना की चर्चा पूरे दिन होते रही।

होटलों के रजिस्टरों को खंगाल रही है पुलिस

जानकारी के अनुसार आपत्तिजनक अवस्था में प्रेमी जोड़ो को हिरासत में लेने के बाद पुलिस होटल के रजिस्टर तथा अन्य कागजातों को खंगाल रही है। शुरूआती जांच में ही कई खामियां उजागर हुई है। बताया जाता है कि जिन तीन जोड़ो को होटल के कमरों से पकड़ा गया हैं, उन्हें कमरा आवंटित करने में भी होटल संचालक द्वारा नियमों को ताक पर रखा गया था। जानकारी के अनुसार तीन जोड़ो के बजाए संचालक द्वारा सिर्फ तीन लोगों का आईडी ही लिया गया था। कमरे में ठहरने वाले कुल छह लोगों में से तीन के ही नाम देख एसडीपीओ ने संचालक को फटकरा भी लगाई।

शहर में पहले भी हो चुका है सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

ऐसा नहीं कि पहली बार डुमरांव में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। इसके पहले भी शहर के कुछ होटलों से आपत्ति जनक अवस्था में प्रेमी जोड़े पकड़ाए है। लेकिन तब सख्त कार्रवाई नहीं होने से होटल संचालकों का मनोबल बढ़ा हुआ है। वही सूत्रों की मानें तो मैनेज के खेल में पुलिस जानबूझकर आंख मूंद लेती है।

सुरक्षा के लिए खरतनाक है होटल संचालकों की मनमानी: चंद रूपयों के लालच में नियम व इमान बेचने वाले होटल संचालक न सिर्फ जिस्म फरोशी का धंधा ही कराते है बल्कि शहर की सुरक्षा व्यवस्था के लिए भी खतरनाक हो गए है। बता दें कि डुमरांव नगर परिषद का चुनाव हो रहा है। 9 जून को वोटिंग होनी है। इस लिहाजा स्थानीय पुलिस अपराधियों, संदिग्धों, शराब व मादक पदार्थों के तस्करों पर पैनी नजर बनाए हुए है। लेकिन होटलों में पहचान छिपा रहने वाले सफेदपोशों तथा अपराधियों से शहर की सुरक्षा व्यवस्था को खतरा पहुंच सकता है।

नियमों का पालन नहीं करते हैं होटल संचालक

होटल संचालकों को हर दिन अपने होटल या लॉज में ठहरने वालें लोगों की सूची तथा उनकी आईडी स्थानीय थाने को देनी होती हैं। लेकिन होटल संचालक इस नियम का पालन नहीं कर रहे है। जिस कारण पुलिस को इस बात की जानकारी नहीं मिल पाती है कि शहर में कौन चोरी छिपे आकर ठहरता है। बता दें कि पिछले दिनों बक्सर के एक होटल में छापेमारी के दौरान तस्करों का एक गिरोह पकड़ा गया था। यह भी दिलचस्प है कि यूपी में कुख्यात अतीक अहमद को पुलिस अभिरक्षा में मारने वाले शूटर भी होटल में ही कमरा बुक कर रूके थे। ऐसे में होटल संचालकों की लापरवाही किसी दिन किसी बड़ी घटना की कारण न बन जाए, इससे इंकार नहीं किया जा सकता है।

क्या कहते हैं एसडीपीओ

इस संबंध में एसडीपीओ अफाक अंसारी ने कहा कि होटल से तीन जोड़ो को आपत्ति जनक अवस्था में पकड़ा गया है। पुलिस संचालक से पूछताछ कर रही है। मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में मारी टक्कर मां-बेटी की मौत, भाई की हालत गंभीर

केटी न्यूज/बक्सर

एनएच 922 पर गुरूवार की दोपहर औद्योगिक थाना क्षेत्र के चुरामनपुर गांव के पास एक ट्रक व बाइक की आमने सामने की टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में बाइक पर सवार भाई व उसकी शादी शुदा बहन गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जबकि बहन की चार वर्षीय मासूम बेटी अनु की मौके पर ही मौत हो गई। आनन फानन में उन्हें इलाज के लिए लेकर लोग सदर अस्पताल आरा ले गए, लेकिन वहां इलाज के दौरान बहन ने भी दम तोड़ दिया। वही भाई की हालत गंभीर बनी हुई है। गंभीर अवस्था में बक्सर के एक निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार डुमरांव थाना क्षेत्र के एकौनी गांव निवासी प्रेम शंकर पासवान के ससुराल सिमरी थाना क्षेत्र के खरहाटांड़ गांव हैं। बुधवार को उनके साले के लड़के का मुंडन संस्कार था। जिसमें वे तथा उनकी पत्नी किरण देवी व बेटी अनु और नेहा शामिल होने गए थे। गुरूवार को दोपहर वे अपने गांव लौट रहे थे। जिसमें किरण तथा उसकी चार वर्षीय बेटी बाइक पर सवार हो गई। बाइक किरण का भाई चला रहा था। परिवार के अन्य सदस्य दूसरे वाहन से लौट रहे थे। लेकिन चुरामनपुर और दलसागर के बीच विपरित दिशा से आ रही ट्रक ने उनकी बाइक को रौंद दिया। इस दुर्घटना के बाद देर तक एनएच 922 पर अफरा तफरी मची रही। बच्ची तथा पत्नी की मौत के बाद प्रेम शंकर सुध बुध खो चुका था। बता दें कि एनएच 922 पर आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही है। इस मनहूस खबर की जानकारी मिलते ही पीड़ित परिवार में कोहराम मच गया।

ननिहाल आए किशोर की आम तोड़ने के दौरान करंट की चपेट में आने से मौत

केटी न्यूज/चौगाईं

किसी को मौत कैसे अपनी ओर खींच लाती है यह गुरूवार को मुरार थाना क्षेत्र के अमसारी गांव में देखने को मिला। जब मात्र एक आम के लालच में एक किशोर को अपनी जान गवानी पड़ी। जानकारी के अनुसार गुरूवार की दोपहर मुरार थाना क्षेत्र के अमसारी गांव में अपने ननिहाल घुमने आया एक किशोर आम तोड़ने के दौरान पेड़ से होकर गुजर रहे 11 केवीए के धारा प्रवाहित तार की चपेट में आ गया। जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक अमसारी के रामप्रवेश गड़ेरिया का नाती तथा मूल रूप से डुमरांव थाना क्षेत्र के महरौरा गांव निवासी टुन्नु पाल का 11 वर्षीय पुत्र नीतीश कुमार बताया जाता है। जानकारी के अनुसार वह दोपहर करीब एक बजे गांव से बाहर एक आम के पेड़ के पास खेल रहा था। इस दौरान उसकी नजर पेड़ पर लगे एक आम पर पड़ी। वह आम तोड़ने के लिए जैसे ही पेड़ पर चढ़ा कि उसी पेड़ से होकर गुजर रहे 11 केवीए के तार के चपेट में आ गया। जिससे पेड़ पर ही झुलस उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने तत्काल बिजली कंपनी को फोन कर लाइन कटवाया तब जाकर उसका शव पेड़ से उतारा गया। इस घटना के बाद ग्रामीणों में गहरा आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली कंपनी के लापरवाही से ही यह हादसा हुआ है। ग्रामीणों की माने तो यदि तार को पोल के सहारे ले जाया गया होता तो इतना बड़ा हादसा नहीं होता। मुरार थानाध्यक्ष रविकांत प्रसाद ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

नंदन गांव में आयोजित हुई राजद की प्रखंड स्तरीय अंबेडकर परिचर्चा

संविधान निर्माता के विचारों को आत्मसात करने का लिया गया संकल्प

केटी न्यूज/डुमरांव

राजद कार्यकताओं द्वारा गुरुवार को प्रखंड स्तरीय अंबेडकर परिचर्चा का आयोजन नंदन गांव में किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कमलेश्वर राम तथा संचालन प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुमार ठाकुर ने किया। बतौर मुख्य मुख्य वक्ता पूर्व सांसद सुखदेव पासवान, जिला उपाध्यक्ष बृजबिहारी सिंह तथा जिलाध्यक्ष युवा राजद सतेंद्र आजाद रहे। परिचर्चा में मौजूद राजद कार्यकताओं को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि संविधान में दिए गए समता, स्वतंत्रता, भाईचारा एवं न्याय के अधिकार को भाजपा एवं आरएसएस के लोग खत्म करने की साजिश कर रहे हैं। बाबा साहब द्वारा लिखित संविधान को ताक पर रख पुनः देश में मनुस्मृति लागू कर वर्ण एवं जाति भेद की व्यवस्था को पुनर्स्थापित करने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद के निर्देश पर बिहार एवं जिला से लेकर गांव स्तर तक अंबेडकर परिचर्चा के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन एवं राजनीतिक तथा आर्थिक परिवर्तन की लड़ाई को मजबूती प्रदान करने के लिए राजद अभियान चला रहा है। बाबासाहेब अंबेडकर के विचारों पर चलने वाले लोगों को इस अभियान के तहत जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

वहीं अन्य वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहब का ही संविधान है जिसके बदौलत आज समाज के दबे कुचले तथा गरीब गुरबे भी संविधान प्रदत उच्च पदों पर आसीन हो रहे है। बाबा साहब का संविधान भेद भाव को मिटाने वाला है। राजद संविधान पर हो रहे प्रहार को बर्दाश्त नहीं करेंगी। बल्कि जनता के सहयोग से संविधान को तोड़ने का प्रयास करने वालों को मुंहतोड़ जबाव दिया जाएगा। इस दौरान राजद नेताओं ने बाबा साहब के पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लिया। मौके पर जिलाध्यक्ष शेषनाथ सिंह, धनपति चौधरी, मुन्ना अंसारी, संतोष भारती, अखिलेश सिंह, मेहंदी हसन, जगनारायण सिंह, मुन्ना खान, अवधेश यादव, रामजी सिंह, हरेंद्र यादव सहित अन्य मौजूद रहे।

एक नजर

ताज्जुब : जिसके नाम पर बना है ड्राइवरी लाइसेंस वह एक दशक से दृष्टि बाधित का उठा रहा पेंशन

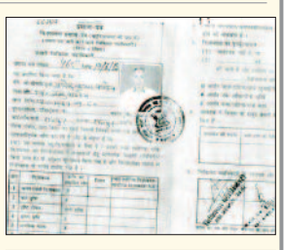

केसठ। प्रखंड के रामपुर गांव निवासी प्रमोद कुमार पांडेय पर फजीर्वाड़ा कर दिव्यांगता पेंशन योजना का लाभ लेने का मामला प्रकाश में आया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रमोद कुमार पांडेय वर्ष 2013 से ही दिव्यांग का पेंशन (दृष्टी दोष) आंख से दिखाई नहीं देने का प्रमाण पत्र के आधार पर दिव्यांगता पेंशन लगातार उठा रहे है। वही प्रमोद कुमार पांडेय के नाम से परिवहन विभाग से ड्राइवरी लाइसेंस बनवाया गया है। जो वर्ष 2023 तक वैध है। हद तो इस बात का है कि परिवहन विभाग आंख से अंधे दिव्यांग पेंशन भोगी को लाइसेंस कैसे निर्गत कर दिया। इससे साफ जाहिर होता है कि प्रमोद कुमार पांडेय द्वारा फजीर्वाड़ा कर दिव्यांगता पेंशन योजना का राशि लाभ उठा रहे है। जो सरकारी राशि का दुरपयोग है। इसकी गुप्त शिकायत पर प्रखंड विकास पदाधिकरी मिथिलेश बिहारी वर्मा बुधवार को इसकी जांच करने प्रमोद कुमार पांडेय घर रामपुर गांव पहुंचे। जहा प्रमोद कुमार पांडेय अपने घर नहीं थे। इस संदर्भ में बीडीओ ने बताया कि शुक्रवार को पुनः प्रमोद कुमार पांडेय के घर जा आरोप की जांच की जाएगी। वही इसकी जानकारी पीजीआरो को देते हुए पेंशन की राशि की रिकवरी की जाएगी। वही मामले में बीडीओ ने शिकायत कर्ता का नाम गुप्त रखा है। ग्रामीणों की माने तो आपसी विवाद में इस फजीर्वाड़ा का मामला प्रकाश में आया है।

इटाढ़ी बक्सर मार्ग पर वाहन को बचाने के प्रयास में पलटी बस, आधा दर्जन यात्री जख्मी

बक्सर। गुरूवार की दोपहर करीब दो बजे इटाढ़ी बक्सर मुख्य मार्ग पर हुकहां गांव के समीप एक यात्री बस अनियंत्रित हो सड़क किनारे पलट गई। इस दुर्घटना में करीब आधा दर्जन यात्री जख्मी हो गए है। जिनमें तीन की हालत गंभीर बनी हुई है। जिन्हें सदर अस्पताल से प्राथमिक इलाज के बाद रेफर कर दिया गया है। इधर घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मामले की जांच पड़ताल व जख्मियों के इलाज में जुट गई है। जानकारी के अनुसार प्रकाश यात्री बस गुरूवार को बक्सर से दिनारा जा रही थी। हुकहां के पास आगे चल रहे गए वाहन चालक को बचाने के प्रयास में बस अनियंत्रित हो सड़क किनारे पलट गई। इस दुर्घटना में बस में सवार पूर्व जिला परिषद सदस्य तथा महदह निवासी बीरबल रजक उम्र 50 वर्ष के साथ ही इटाढ़ी की जानकी देवी, नदांव की नीलम देवी व नया भोजपुर की 9 वर्षीय मासूम अंजली समेत कई अन्य यात्री जख्मी हुए है। राहगीरों की मदद से किसी तरह बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया।

राजपुर में देर रात लूट का विरोध करने पर कामगार को मारी गोली, खतरे से बाहर

राजपुर। राजपुर थाना क्षेत्र के संगराव मंगराव मुख्य मार्ग पर बुधवार की देर रात तीन की संख्या में लूटेरों ने एक मजदूर से मोबाईल व नकदी लूटने का प्रयास किया। विरोध करने पर गोली मार उसे जख्मी कर दिया। गोली की आवाज सुन जब आस पास के लोग जब शोर मचाते हुए लूटेरों का पीछा किए तो वे भाग खड़े हुए। जानकारी के अनुसार मंगराव गांव निवासी हरेराम राजभर का 28 वर्षीय पुत्र राजेन्द्र राजभर एसजेवीएन कंपनी में बतौर मजदूर काम करता है। वह हर दिन की भांति बुधवार की देर रात ड्यूटि खत्म होने के बाद साइकिल से अपने गांव जा रहा था। जैसे ही संगराव मंगराव पथ पर एक सुनसान जगह पर पहुंचा कि वहा पहले से खड़े तीन की संख्या में अपराधियों ने उससे लूट पाट शुरू कर दी। विरोध करने पर बदमाशों ने दाहिने हाथ में गोली मार दी।

बक्सर में दो गुटों में बंटी भाजपा, विरोधी खेमे ने की समानांतर बैठक

बक्सर। बक्सर में भाजपा का अंतर्कलह सतह पर आ गया है। गुरूवार को बक्सर में आयोजित पार्टी के जिला कार्यसमिति की बैठक में यह कलह खुलकर सामने आया। खास यह कि जिलाध्यक्ष विजय कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह द्वारा आहूत कार्यसमिति बैठक में केन्द्रीय राज्यमंत्री सह स्थानीय सांसद अश्विनी कुमार चौबे भी शामिल हुए थे। वही दूसरे गुट ने इस कार्यसमिति को अवैध ठहराते हुए विरोध में नारेबाजी की। दूसरा खेमा यही नहीं रूका बल्कि वह इस कार्यसमिति के समानांतर दूसरी बैठक भी कर लिया। दूसरे खेमे की बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ भाजपा नेता चौधरी राम बिनोद राय व संचालन मनोज सिंह कर रहे थे। इस दौरान कार्यकताओं ने 2024 के लोस चुनाव में अश्विनी कुमार चौबे के बजाए किसी स्थानीय कार्यकर्ता को उम्मीद्वार बनाए जाने की मांग दुहराई। विरोधी खेमा का आरोप था कि जिले के सभी छह विधानसभा सीटों पर मिली हार के जिम्मेवार श्री चौबे ही है। पार्टी नेताओं ने कहा कि प्रदेश व केन्द्रीय नेतृत्व को इस मामले से अवगत कराया जा रहा है। इस खेमें का आरोप था कि बक्सर जिले में भाजपा की जो नई कार्यसमिति बनी है उसमें दूसरे दलों के लोगों को पदाधिकारी बनाया गया है। बता दें कि इसके पहले कोरानसराय में भी बैठक कर विरोध जताया जा चुका है। बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष सच्चिदानंद भगत, राणा सिंह, राजाराम पांडेय, रामजी ठाकुर, संतोष दूबे, जितेन्द्र दूबे, इंदल सिंह, दयाशंकर तिवारी, दुर्गावती चतुर्वेदी, सतीष राय व अन्य नेता मौजूद थे।

पंचायत भवनों का निर्माण कार्य पूरा नहीं होने पर अधिकारी को लगी फटकार

❐ मऊ जिलाधिकारी ने की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले विकास कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक

केटी न्यूज/मऊ

जिलाधिकारी अरुण कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले विकास कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई। इस दौरान सहायक अभियंता लघु सिंचाई ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष के प्राप्त सभी लक्ष्य पूर्ण हो चुके हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु अभी तक कोई लक्ष्य नहीं प्राप्त हुआ है। नहरों की सिल्ट सफाई की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने पहले से ही कार्ययोजना तैयार कर मनरेगा के तहत भी सिल्ट सफाई कार्य करने के निर्देश अधिशासी अभियंता सिंचाई को दिया। उन्होंने जनपद में सिंचाई विभाग द्वारा संचालित नई परियोजनाओं एवं भैसई नदी के सर्वे कार्य की भी विस्तृत जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग द्वारा जनपद में संचालित योजनाओं की समीक्षा के दौरान अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग ने बताया प्रांतीय खंड में तीन एवं निर्माण खंड में दो सड़कों का निर्माण कार्य चल रहा है, जो निर्धारित समय सीमा अगस्त में पूर्ण हो जाएगी। ओडीआर/एमडीआर के तहत निर्मित होने वाली एक सड़क सड़क पूर्ण हो चुकी है तथा प्रांतीय खंड के 13 एवं निर्माण खंड के 4 परियोजनाएं निविदा प्रक्रिया में हैं।

कृषि विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने आधार सीडिंग, ओपन सोर्स डाटा के सत्यापन की धीमी प्रगति पर कृषि उपनिदेशक को नियमित मॉनिटरिंग करने एवं कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला कृषि अधिकारी को फसल बीमा योजना के तहत पिछले 3 वर्षों में खरीफ एवं रबी फसलों हेतु आए आवेदनों का पूर्ण विवरण प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने जनपद में गोल्डन कार्ड बनने की प्रतिदिन की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा अधिकारी को दिए। इसके अलावा लाभार्थियों के उपचार की स्थिति तथा उनके प्राइवेट अस्पतालों में भर्ती की स्थिति की भी जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने सरकारी अस्पतालों के सापेक्ष प्राइवेट अस्पतालों में अधिक संस्थागत प्रसव होने वाले विकास खंडों में संबंधित एएनएम एवं आशाओं के खिलाफ कार्रवाई करने को भी कहा।इस दौरान उन्होंने हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर के निर्माण की स्थिति, दवाओं की उपलब्धता, 102 एवम् 112 एंबुलेंस सेवा की भी विस्तृत समीक्षा करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए।

पंचायती राज विभाग द्वारा अभी भी कुछ पंचायत भवनों का निर्माण कार्य पूर्ण न होने पर जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी को कड़ी फटकार लगाते हुए समस्त निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने को कहा। अमृत योजना के तहत जनपद में पार्कों के निर्माण की स्थिति, अपशिष्ट प्रबंधन, मल्टीलेवल पार्किंग एवं ऑडिटोरियम के निर्माण हेतु किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत जानकारी लेते हुए शीघ्र ही कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

एक नजर

गाजीपुर में वृहद वृक्षारोपण के लिए 31 मई तक भूमि चिन्हित करे विभाग: जिलाधिकारी

गाजीपुर। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में जिला गंगा समिति, जिला वृक्षारोपण समिति एवं जिला पर्यावरण समिति की बैठक रायफल क्लब सभागार में सम्पन्न हुई। जिसमें जनपद अन्तर्गत कराए जाने वाले वृहद वृक्षारोपण के लिए जिलाधिकारी ने समस्त विभागों को 31 मई 2023 तक लक्ष्य के सापेक्ष भूमि चिन्हाकन करते हुए सूची प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी (वन विभाग) को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।` जिलाधिकारी ने समस्त सम्बन्धित विभागध्यक्षों को निर्देशित किया कि वर्षाकाल 2023 में कराये जाने वाले वृक्षारोपणों को मानक के अनुरूप रखे। जिला विद्यालय निरीक्षक व बेसिक शिक्षा अधिकारी, को निर्देशित किया कि विद्यालयों में फलदार पौधो` तथा मियाँवाकी पद्धति के अनुसार वृक्षारोपण` करना सुनिश्चित करेंगे। जिलाधिकारी ने बताया गया कि मियाँवाकी पद्धति से, वृक्षारोपण कराया जाये जो एक आक्सीजन बैंक के रूप में कार्य करे। तत्पश्चात जिला गंगा समिति गाजीपुर की बैठक में जिलाधिकारी द्वारा अधिशासी अधिकारी, गाजीपुर को निर्देशित किया कि कलेक्टर घाट, गाजीपुर को आदर्श घाट के रूप में स्थापित करते हुए वहाँ प्रतिदिन गंगा आरती व अन्य गतिविधियाँ संचालित करना सुनिश्चित करे एवं समस्त अधिसाशी अधिकारी एस टी पी प्लांट हेतु भूमि का चिन्हाकन करते हुए एक सप्ताह के अन्दर रिपोर्ट प्रस्तुत करे। जिलाधिकारी द्वारा क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को निर्देशित किया गया कि गंगा नदी के इनलेट व आउटलेट की वाटर क्वालिटी, डी०ओ०, बी०ओ०डी० एवं सी०ओ०डी० की अद्यावधिक रिपोर्ट प्रस्तुत करे। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य,` प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी तथा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

दो नगरपालिका और 10 नगर पंचायतों में आज और कल होगा शपथ ग्रहण समारोह

बलिया। जिले की दो नगर पालिका और दस नगर पंचायतों के लिए नव निर्वाचित अध्यक्षों और सभासदों को क्रमवार 26 और 27 मई को शपथ ग्रहण कराया जाएगा। शासन की ओर से मंगलवार को आदेश जारी होने के बाद 12 निकायों के नवनिर्वाचित 12 अध्यक्षों और 195 सभासदों को शपथ दिलाई जाएगी। निकायों के अधिकारियों ने शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां शुरू कर दी हैं। जिलाधिकारी ने संबंधित उपजिलाधिकारियों को शपथ दिलाने के लिए नामित किया है। बुधवार को जिला प्रशासन की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक नगर पालिका रसड़ा में 26 मई को गांधी पार्क में दिन में 11 बजे उपजिलाधिकारी रसड़ा नव निर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाएंगे। इसके अलावा 26 मई को नगर पंचायत सहतवार में बड़ा पोखरा में चार बजे, मनियर के परशुराम बाबा के स्थान पर दिन में 11 बजे, बांसडीह में निकाय परिसर में दिन में एक बजे उपजिलाधिकारी बांसडीह नव निर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाएंगे। इसी दिन नगरा में निकाय परिसर में तीन से चार बजे के बीच उपजिलाधिकारी, रसड़ा और सिकंदरपुर के पदाधिकारियों को गांधी इंटर कॉलेज में दिन में 11 बजे उपजिलाधिकारी सिकंदरपुर शपथ ग्रहण कराएंगे। इसके अलावा नगर पालिका बलिया समेत नगर पंचायत चितबड़ागांव, रतसड़, चितबड़ागांव और बेल्थरारोड, रेवती और बैरिया में 27 मई को शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया जाएगा।

बलिया में नगर पालिका परिसर में शाम चार बजे, नगर पंचायत चितबड़ागांव में कार्यालय परिसर- रामलीला मैदान में सुबह दस बजे और रतसड़ में बीका भगत के पोखरा परिसर में दिन में 11 बजे उपजिलाधिकारी सदर नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाएंगे। इसके अलावा 27 मई को ही नगर पंचायत बेल्थरारोड के पदाधिकारियों को जीएम इंटर कॉलेज में शाम चार बजे उपजिलाधिकारी बेल्थरारोड शपथ दिलाएंगे।

मुहम्मदाबाद नपा में शपथ ग्रहण कल

गाजीपुर। नगर पालिका परिषद मुहम्मदाबाद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं सदस्यों का शपथ ग्रहण 27 मई को जलकल नंबर एक के प्रांगण में किया गया है। जिसकी तैयारियों के लिए जलकल परिषद की सफाई पूरे जोर-शोर से की जा रही है। शपथ ग्रहण समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक शिवगतुल्लाह अंसारी एवं विशिष्ट अतिथि विधायक मोहम्दाबाद शोएब अंसारी उर्फ मनु अंसारी होंगे। उधर कार्यक्रम में जुटे नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी वीरेंद्र कुमार राव ने बताया की शपथ ग्रहण की तैयारियां जोर -शोर से जारी है। इसके साथ ही नगर पालिका परिषद के वरिष्ठ लेखाकार डॉ. राजकुमार रावत के द्वारा नगर के सभी सम्मानित लोगों को निमंत्रण कार्ड भेजा जा रहा है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष रईस अहमद एवं नगर में स्थित 25 वार्डों के सभी नवनिर्वाचित सदस्यगणों को उपजिलाधिकारी भारत भार्गव के द्वारा शपथ ग्रहण कराया जाएगा।

पेनाल्टी शूटआउट से हुई हार-जीत, रमवल ने बारा को 5-4 से हरा खिताब पर किया कब्जा

गाजीपुर। रेवतीपुर साईं फुटबॉल क्लब के तत्वावधान में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता का रात्रि में फाइनल मुकाबला रमवल और बारा के बीच बुधवार की रात खेला गया। जिसमें रमवल ने बारा को हराकर खिताब पर कब्जा जमा लिया। मैच के शुरूआती क्षणों में ही बारा के आलम खां ने रमवल में एक गोल कर टीम को 1-0 से बढ़त दिला दिया। मध्यांतर के बाद रमवल की टीम के इस्माइल ने मैच के 70वें मिनट में गोलकर टीम को बराबरी पर ला दिया। अंत तक दोनों टीम एड़ी चोटी का जोर लगाया, लेकिन मैच समाप्त होने पर दोनों टीमें बराबरी पर हैं। अंत में मैच का निष्कर्ष पेनाल्टी शूटआउट के जरिए निकाला गया। जिसमें रमवल ने बारा को 5-4 से हराकर खिताब पर कब्जा जमा लिया। मुख्य अतिथि रेवतीपुर ब्लाक प्रमुख अजिताभ राय राहुल एवं विशिष्ट अतिथि पवन पांडे ने विजेता एवं उपविजेता को टीम को ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता में मैन ऑफ द मैच वकार सिद्दीकी तथा मैन आफ द सीरीज बारा के आलम को दिया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि रेवतीपुर ब्लाक प्रमुख अजिताभ राय राहुल ने फीता काटकर मैच का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ग्रामीण स्तर पर इस प्रतियोगिता का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान है आने वाले समय में यही बच्चे अपने देश का नाम रोशन करेंगे।

खबरें फटाफट

कड़सर गांव में करेंट लगने से टेंट मालिक की मौत

सिकन्दरपुर (बलिया)। तहसील क्षेत्र के कड़सर गांव में गुरुवार को फौजदार वर्मा के लड़के के तिलक समारोह हेतु टेन्ट लगाते समय ग्यारह हजार बोल्ट बिजली के करेन्ट की चपेट में आने के कारण टेन्ट मालिक की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं एक अन्य कर्मचारी गंभीर रूप से झुलस गया, जिसका इलाज सदर अस्पताल मे चल रहा हैं। जानकारी के अनुसार तहसील क्षेत्र के रामापार गांव निवासी टेन्ट हाउस संचालक सत्यप्रकाश पुत्र रामेश्वर वर्मा 28 वर्ष अपनें सहयोगी कर्मचारी नितेश पुत्र कृपाल वर्मा 18 वर्ष के साथ तहसील क्षेत्र के कड़सर गांव में गुरुवार की सुबह टेन्ट लगा रहें थे। इसी दौरान टेन्ट हाउस में प्रयोग होने वाला खंभा ऊपर से गुजर रहे 11000 वोल्ट के तार से संपर्क में आ गया, जिससे नितेश पुत्र कृपाल वर्मा करेन्ट की चपेट में आ गया।

टेंपो-बाइक की टक्कर में युवक घायल

सिकन्दरपुर। बलिया मार्ग पर घुरी बाबा के टोला के समीप टेंपो और बाइक की आमने-सामने की टक्कर में 40 वर्षीय बाइक सवार घायल हो गया। जिसका इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार खेजूरी थाना क्षेत्र के ससना बहेरी गांव निवासी महेंद्र वर्मा 40 पुत्र इनरदेव वर्मा गुरुवार को अपने घर से किसी कार्यवश बाइक द्वारा सिकंदरपुर आ रहे थे। वह जैसे ही सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के घुरी बाबा के टोला के समीप पहुंचे, कि अचानक विपरीत दिशा से आ रहे टेंपो से बाइक की आमने-सामने की टक्कर हो गई। घटना में महेंद्र वर्मा सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

नाबालिग लड़की को भगाने के मामले में दो पर मुकदमा

गाजीपुर। गहमर कोतवाली अंतर्गत एक गांव की नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में लड़की की मां की तहरीर पर पुलिस ने गांव के ही आसिफ अली पुत्र शकिल और सूरज चौहान पुत्र रामनारायन चौहान पर नामजद मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस दोनों को तलाश रही है।

अव्यवस्था: रिगवन गांव के प्रधान की शिकायत पर पहुंची विधायक ने सीएमओ को सुनाई खरी-खोटी

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मनियर में रात के समय नहीं रहते डॉक्टर, कैसे होगा इलाज

- ♦ विधायक ने स्टॉफ रजिस्टर, दवा स्टोर, तथा मरीज वार्ड का किया निरीक्षण
- ♦ हॉस्पिटल में बल्ब न होने पर जताई नाराजगी, जिलाधिकारी से अस्पताल में अव्यवस्था की शिकायत की

केटी न्यूज/मनियर बलिया

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मनियर इन दिनों खुद बीमार है। दूसरे का इलाज कैसे करेगा ? जब हॉस्पिटल की बीमारी ठीक नहीं हुई तो किसी डॉक्टर को नहीं विधायक को बुलाना पड़ा। आपको सुनकर अटपटा जरूर लगेगा लेकिन यह हकीकत है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मनियर में अव्यवस्था का आलम है। इसकी बानगी बुधवार की रात देखने को मिली। जब रिगवन गांव के प्रधान सत्येंद्र कुमार पाठक उर्फ लड्डू पाठक बुधवार की रात करीब 7:30 बजे अपनी पुत्री अनुष्का पाठक 14 वर्ष की तबीयत खराब होने पर इलाज कराने पहुंचे थे। इसी दौरान सड़क दुर्घटना में घायल शाहिद खान 55 वर्ष पुत्र शेख आलम निवासी मनियर भी आ गए। इस दौरान स्वास्थ्य केंद्र में कोई डॉक्टर उपस्थित नहीं था। एक फार्मासिस्ट ड्यूटी कर रहा था। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मनियर की अव्यवस्था की शिकायत ग्राम प्रधान रिगवन सत्येंद्र पाठक ने विधायक केतकी सिंह से फोन पर की।

केतकी सिंह क्षेत्र में ही मौजूद थीं। वह तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मनियर पहुंच गई। मौके पर पहुंची विधायक केतकी सिंह ने फोन पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मनियर के प्रभारी डॉ एस एस रावत एवं सीएमओ बलिया डॉक्टर जयंत कुमार को खरी-खोटी सुनाई। इसकी शिकायत उन्होंने जिलाधिकारी बलिया से भी की। सीएमओ ने बताया कि प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ एस एस रावत एवं मैं स्वयं प्रमुख सचिव की मीटिंग में है। प्रमुख सचिव की मीटिंग समाप्त होने के बाद फिर सीएमओ को फोन लगाकर कहा कि यहां के प्रभारी की बहुत शिकायत है। उसे हटाकर दूसरे डॉक्टर को यहां लेकर आएं।

सीएमओ व डीपीएम ने किया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मनियर का निरीक्षण

प्रभारी चिकित्सक डॉ. रावत के स्थानांतरण की मांग

मनियर बलिया। बांसडीह विधायक केतकी सिंह की शिकायत पर सीएमओ बलिया जयंत कुमार एवं डीपीएम आरबी यादव प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मनियर पहुंचे। अधिकारी द्वय के आने की सूचना पर हॉस्पिटल की साफ-सफाई कर दी गई थी। वार्ड के बेडों पर चादर वगैरह बिछा दिया गया था। अधिकारी द्वय ने दवा स्टोर, प्रसव कक्ष, महिला वार्ड, पुरुष वार्ड ,मीटिंग हॉल सभी का निरीक्षण किया। सीएमओ के आने की सूचना पर भाजपा के मंडल अध्यक्ष सुधांशु गुप्ता एवं युवा संगठन के अध्यक्ष गोपाल जी सहित तमाम भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित हो गए।

सबने एक स्वर से यहां के प्रभारी चिकित्सक डॉक्टर एस एस रावत का स्थानांतरण किए जाने की मांग की तथा किसी एमबीबीएस डॉक्टर को नियुक्त करने की मांग की। यहां की दूर्व्यवस्था के बारे में शिकायत की गई। प्रसव कक्ष में डिलीवरी के दौरान सुविधा शुल्क वसूली किए जाने की भी शिकायत की गई। सीएमओ ने कहा कि आज से यहां के प्रभारी डॉक्टर एस एस रावत को यहां से हटा दिया गया है तथा विचार विमर्श करने के बाद यहां एमबीबीएस डॉक्टर की तैनाती की जाएगी। साथ ही उन्होंने कहा कि जिले में डॉक्टरों की कमी है ।उन्होंने कहा कि लिखित में अगर कोई शिकायत मिलती है तो उस पर कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान अधिकांश हॉस्पिटल के स्टाफ उपस्थित रहे। ओपीडी का कार्य आयुष डॉक्टर नेहाल एवं अजय कुमार सिंह ने देखा।

विधायक करीब 8बजे से लेकर 9:00 बजे तक 1 घंटे हॉस्पिटल पर जमी रही । सीएमओ से कहा कि नए डॉक्टर को लेकर यहां आएं लेकिन देखी कि सीएमओ को आने में करीब 1 घंटा समय लगेगा तो फिर उन्हें मना करते हुए कही कि कल नए डॉक्टर को लेकर आइएगा। विधायक ने स्टॉफ रजिस्टर, दवा स्टोर, तथा मरीज वार्ड का निरीक्षण किया। हॉस्पिटल में बल्ब न होने पर उन्होंने नाराजगी जताई। स्टाफ रजिस्टर में डॉक्टर का नाम नहीं था। वहीं एक स्टाफ की हाजिरी मई महीने में सिर्फ 3 दिन ही लगी थी। बाकी ब्लैंक था। डिलीवरी के दौरान सुविधा शुल्क लिए जाने एवं मरीज के साथ अच्छा व्यवहार न किए जाने की शिकायत पर विधायक ने संविदा स्टाफ नर्स अंजुम एवं स्टाफ नर्स सोनम पटेल को भी लताड़ा।

संविदा स्टाफ नर्स को बचाने में लगा विभाग, सीएमओ ने नहीं लिया बयान

मनियर बलिया। आखिर स्वास्थ्य विभाग संविदा स्टाफ नर्स पर इतना मेहरबान क्यों है? स्वास्थ्य विभाग आरोपित संविदा स्टाफ नर्स को बचाने एवं घटना को दबाने में लगा हुआ है। मामला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मनियर के प्रसव कक्ष का है। विगत 21 अप्रैल 2023 की रात में प्रसूता रिमा देवी पत्नी लल्लन राजभर निवासी मनियर बहेरा पार वार्ड नंबर 10 की मृत बच्ची पैदा हुई थी। डिलीवरी के पूर्व प्रसूता के पति द्वारा नियमित जांच भी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मनियर पर कराया गया था।

आरोप है कि आरोपित स्टाफ नर्स ने जांच एवं इलाज के नाम पर धन उगाही भी की थी जिसका आरोप प्रसूता द्वारा लगाया जा रहा है। प्रसव कक्ष में पैसा लिए जाने का एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें उक्त संविदा स्टाफ नर्स के सहयोगी दूसरी स्टाफ नर्स द्वारा हाथ में पैसा लिया जाना दिख रहा है। प्रसूता का अल्ट्रासाउंड आरोपित नर्स के कहने पर डिलीवरी से पूर्व कराया गया था । आरोप है कि आरोपित नर्स ने अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट स्वयं देखी एवं किसी डॉक्टर से सलाह मशविरा नहीं किया और कही कि पेट में पल रहा बच्चा स्वस्थ है लेकिन डिलीवरी के दौरान जब बच्ची मृत पाई गई तो परिजनों ने पूछा तो उक्त नर्स द्वारा कहा गया कि बच्ची का विकास गर्भ में नहीं हुआ था ।मृत बच्ची होने के बाद प्रसूता के परिजनों द्वारा हॉस्पिटल पर बवाल भी काटा गया था। इसकी शिकायत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन सहित लिखित तौर पर प्रसूता द्वारा किया गया था जिसके संदर्भ में जांच करने पहुंचे एडिशनल सीएमओ बलिया एस के गुप्ता ने जांच हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मनियर पहुंचे लेकिन प्रसूता का बयान नहीं लिया जो चर्चा का विषय बना हुआ है आखिर विभाग संविदा स्टाफ नर्स पर इतना मेहरबान क्यों है जबकि एक दूसरे ए एन एम द्वारा डिलीवरी के दौरान थोड़ी चूक हुई थी तो उसको प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मनियर के प्रभारी ने डिलीवरी केंद्र से हटाकर दूसरे हॉस्पिटल में ड्यूटी लगा दिया। लोगों का कहना है कि डिलीवरी कक्ष में प्रसूता महिलाओं के परिजनों से अवैध वसूली भी किया जाता है। प्रसूता महिला की शिकायत पर बुधवार को जांच करने पहुंचे एडिशनल सीएमओ बलिया एस के गुप्ता शिकायतकर्ता के आने से पहले चले गए जो चर्चा का विषय रहा।

इस संदर्भ में लगातार वार्ड नंबर 5 के सभासद रहे अमित कुमार सिंह ने बताया कि आए दिन इस अस्पताल पर ऐसी घटना होती रहती हैं। डॉक्टर नदारद रहते हैं। हम कल इलाज कराने के लिए आए थे। लेकिन कोई डॉक्टर यहां नहीं मिला। मैं प्राइवेट डॉक्टर के पास जाकर अपना इलाज कराया और यहां पर प्रसव कक्ष में अवैध धन उगाही हो रही है जिसका वीडियो भी वायरल हुआ था।

डब्ल्यूएचओ एवं यूनिसेफ ने जारी की रैंकिंग: मार्च 2022 के 68 वी रैंक से मार्च 2023 में जनपद पहुंचा नौवें स्थान पर

गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में मऊ टॉप 10 में शामिल

केटी न्यूज/मऊ

- ♦ गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति किए गए कार्यों से मिली सफलता
- ♦ जनपद में चल रहा ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस कार्यक्रम

जिलाधिकारी अरुण कुमार के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में जनपद में संचालित विभिन्न योजनाएं नित नई सफलताएं हासिल कर रही हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस सप्ताह के बुधवार एवं शनिवार के दिन मनाया जाता है। इन दिवसों पर गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व 4 प्रमुख जांच की जाती है, जिनमें ब्लड प्रेशर,ब्लड शुगर,वजन एवं पेशाब से संबंधित जांच प्रमुख रूप से सम्मिलित होती हैं। जांच के उपरांत गर्भवती महिलाओं को आवश्यकतानुसार आयरन, कैल्शियम,फोलिक एसिड आदि की दवाएं भी उपलब्ध कराई जाती है। ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस के दौरान इन जांचों के उपरांत उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान कर प्रसव पूर्व होने वाले मातृ मृत्युदर को कम करने में भी मदद मिलती है।

जिलाधिकारी के कुशल नेतृत्व से बदली तस्वीर

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की सुविधाओं की मानिटरिंग डब्ल्यूएचओ एवं यूनिसेफ द्वारा नियमित रूप से की जाती है। जिसके आधार पर जनपद की रैंकिंग निर्धारित होती है। पूर्व में की गई मानिटरिंग के दौरान मार्च 2022 में जनपद का गर्भवती महिलाओं की गुणवत्तापूर्ण जांच एवं स्वास्थ्य सुविधाएं देने में जनपद का पूरे प्रदेश में 68 वी रैंक थी,परंतु जिलाधिकारी के कुशल नेतृत्व एवं मार्ग निर्देशन में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मेहनत रंग लाई, जिसके कारण डब्ल्यूएचओ एवं यूनिसेफ द्वारा जारी संयुक्त रैंकिंग में जनपद मऊ ने पूरे प्रदेश में टॉप टेन में शामिल होते हुए नवी रैंक प्राप्त की है। इसके अलावा डब्ल्यूएचओ एवं यूनिसेफ द्वारा जारी रिपोर्ट में बच्चों का पूर्ण प्रतिरक्षण 64% से बढ़कर 81% हो गया है। ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस पर गुणवत्ता पूर्ण जांच एवं जांच के उपरांत उपलब्ध कराई जाने वाली गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं के कारण मातृ मृत्यु में कमी एवं बाल स्वास्थ्य में अपेक्षित सुधार हुआ है तथा बच्चों की प्रतिरक्षण क्षमता में भी वृद्धि हुई है।